



बंगाल चुनाव में विवाद : पुलिस ऑब्जरवर के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंची टीएमसी, भाजपा उम्मीदवार से मिलने पर उपजा विवाद

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण की मतदान की तैयारियों के बीच अब एक नया राजनीतिक विवाद सामने आया है। सतारुद्ध तुणमूल कांग्रेस पार्टी ने कोलकाता हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की है, जिसमें पुलिस ऑब्जरवर पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पार्टी का कहना है कि पुलिस ऑब्जरवर परमार पुरुषोत्तम दास ने 142-मगराहाट पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार गोर घोष के साथ एक अनौपचारिक (ऑफिशियल नहीं) बैठक की। टीएमसी ने इसे गंभीर आचार उल्लंघन और निष्पक्षता के खिलाफ बताया है। इतना ही नहीं टीएमसी की यह भी आरोप है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान पुलिस ऑब्जरवर का किसी राजनीतिक उम्मीदवार से इस तरह मिलना निष्पक्षता पर सवाल उठाता है। पार्टी ने कहा कि यह कदम चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और भरोसे को प्रभावित कर सकता है। इसी वजह से टीएमसी ने कोलकाता हाई कोर्ट से हस्तक्षेप करने की मांग की है और मामले की जांच की अपील की है। पार्टी का कहना है कि चुनाव के दौरान सभी अधिकारियों को पूरी तरह निष्पक्ष रहना चाहिए, ताकि किसी भी राजनीतिक दल को अनुचित लाभ न मिले।



धीरेंद्र शास्त्री ने कहा- मैं माफी मांगता हूं

छत्रपति शिवाजी महाराज और समर्थ रामदास स्वामी के बारे में दिया था विवादित बयान

नागपुर, एजेंसी। छत्रपति शिवाजी महाराज और समर्थ रामदास स्वामी के बारे में अपनी टिप्पणी को लेकर विवादों में घिरे बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने माफी मांग ली। रविवार को नागपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस में धीरेंद्र शास्त्री ने कहा- कुछ लोगों ने मेरे बयान का गलत अर्थ निकाला। मैं जिस स्वरान और हिंदू राष्ट्र की अवधारणा का समर्थन करता हूं, उसमें छत्रपति शिवाजी महाराज का स्थान सर्वोच्च है। उनके बारे में नकारात्मक बोलना तो दूर, मैं ऐसा सापने में भी नहीं सोच सकता। उन्होंने आगे कहा- संदर्भ बिल्कुल अलग था। छत्रपति शिवाजी महाराज की संतों और अपने गुरु समर्थ रामदास स्वामी के प्रति गहरी निष्ठा थी। हम एक शिष्य की अपने गुरु के प्रति भक्ति के बारे में बात कर रहे थे। ठीक वैसे ही जैसे महाभारत में अर्जुन ने भगवान कृष्ण से कहा कि वह अपने ही लोगों से युद्ध नहीं करेंगे, तब कृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था। हमारा उद्देश्य केवल छत्रपति शिवाजी महाराज की महानता को उजागर करना था कि वे संतों के प्रति कितने गहरे रूप से सम्पत्ति थे, लेकिन एक छोटा सा अंश संदर्भ से काटकर फैला दिया गया।



ईरानी सांसद बोले- पाकिस्तान मध्यस्थ बनने के लायक नहीं :वह अमेरिका के पक्ष में झुका है

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत में अभी तक कोई ठोस सहमति नहीं बन पाई है। इसी बीच ईरान के एक नेता ने पाकिस्तान की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। ईरानी सांसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रवक्ता इब्राहिम रेजई ने कहा कि पाकिस्तान दोस्त जरूर है, लेकिन वह बातचीत में बीच का सही पक्ष (मध्यस्थ) नहीं बन सकता। रेजई ने कहा कि पाकिस्तान अक्सर डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिका के हितों को ध्यान में रखता है और उनके खिलाफ कुछ नहीं कहता। इसलिफ वह निष्पक्ष नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि एक सही मध्यस्थ वही होता है, जो दोनों पक्षों के बीच निष्पक्ष रहे, न कि हमेशा एक ही पक्ष की तरफ झुका रहे। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघवी ने 24 घंटों में 2 बार पाकिस्तान का दौरा किया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को ईरान को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि उसके पास युद्ध खत्म करने के लिए सीजफायर पर सहमत होने के लिए सिर्फ तीन दिन हैं, नहीं तो उसकी तेल पाइपलाइन में ब्लास्ट हो जाएगा।

मिडिल ईस्ट पर मतभेद के कारण ब्रिक्स की आम सहमति मुश्किल

भारत ने फलस्तीन के पक्ष का किया समर्थन

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले हफ्ते मिडिल-ईस्ट पर हुई ब्रिक्स (BRICS) की बैठक में कोई आम सहमति वाला दस्तावेज तैयार नहीं हो सका, क्योंकि इस संघर्ष में शामिल सदस्य देशों के रुख में काफी मतभेद थे। भारतीय अधिकारियों के अनुसार, बाकी सभी देशों द्वारा इन मतभेदों को दूर करने की कोशिशें कामयाब नहीं हो सकीं। इस साल ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत के पास है और वह अगले महीने विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी करेगा। इसके बाद इसी साल के अंत में शिखर सम्मेलन होगा।

मिडिल-ईस्ट में संघर्ष को लेकर जताई चिंता

:आम सहमति न बन पाने के कारण पिछले हफ्ते विदेश मंत्रियों और विशेष दूतों की बैठक में कोई संयुक्त बयान जारी नहीं हो सका। इसके बजाय 'अध्यक्ष का बयान' जारी किया गया, जिसमें कहा गया कि सदस्य देशों ने मिडिल-ईस्ट में हाल ही में हुए संघर्ष पर गहरी चिंता जताई और इस मामले पर अपने विचार और आकलन पेश किए। चर्चाओं में फलस्तीन का मुद्दा और गाजा की स्थिति शामिल थी, जिसमें मानवीय सहायता पहुंचाना, UNRWY की भूमिका, आतंकवाद के प्रति 'जैरो-टॉलरेंस' का रवैया अपनाना और लेबनान में हुए संघर्ष-विराम का स्वागत करना शामिल था।



आम सहमतियन बनने का क्या रहा कारण?

जहां एक ओर ईरान, अमेरिका और इजरायल के खिलाफ ब्रिक्स देशों की एकजुटता चाहता रहा है और भारत से आम सहमति बनाने की दिशा में काम करने का आग्रह करता रहा है। वहीं दूसरी ओर संयुक्त अरब अमीरात (UAE) और सऊदी अरब की मौजूदगी के कारण कोई संयुक्त बयान जारी नहीं हो सका।

बोले: 'पढ़ाई, लिखाई और दवाई हमारी प्राथमिकता'

बीजेपी को वोट दीजिए ताकि बेटियां हर समय बाहर निकल सकें

बैरकपुर (पश्चिम बंगाल), एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा। आज प्रचार का अंतिम दिन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा का प्रचार करने बैरकपुर पहुंचे। पीएम मोदी ने कहा, '1857 में इसी बैरकपुर की धरती ने आजादी की पहली लड़ाई को ताकत दी थी। यही धरती आज बंगाल में परिवर्तन की राह को और प्रशस्त कर रही है।' भाजपा के चुनावी नारे और बंगाल में बदलाव की बयार का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने रैली में कहा कि बंगाल में हर ओर एक ही नारा सुनाई दे रहा है 'पलटनो दरकार, चाई बीजेपी सरकार।' यानी जनता बदलाव चाहती है और भाजपा की सरकार बनाने का मन बना चुकी है।

रैली को चुनाव प्रचार की अंतिम सभा बताते हुए पीएम मोदी ने कहा कि पूरे राज्य में लोगों का मूड देखकर उन्हें विश्वास है कि 4 मई को नतीजे आने के बाद भाजपा की सरकार बनेगी और वह शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने फिर बंगाल आएंगे।

'जनता ही मेरा परिवार है और

उनके बीच रहकर सुकून मिलता है': उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान मिले जनसमर्थन का जिक्र करते हुए कहा कि रैलियों और रोड शो के दौरान लोगों द्वारा दिए गए संदेश, पत्र और चित्र उनके लिए बेहद खास हैं। वह रात में समय निकालकर इन भावनाओं को समझते हैं और लोगों के संदेशों को पढ़ते हैं। अपने लंबे राजनीतिक सफर को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वह पिछले कई दशकों से देशभर में लगातार काम कर रहे हैं और पार्टी द्वारा सौंपी गई हर जिम्मेदारी को निभाते आए हैं। उन्होंने कहा कि जनता ही उनका परिवार है और उनके बीच रहकर उन्हें सुकून मिलता है। पीएम मोदी ने दावा किया कि राज्य में बदलाव की लहर साफ दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि बंगाल की धरती से उनका जुड़ाव बेहद खास है और यहां के अनुभवों को वह अपने जीवन का आशीर्वाद मानते हैं। उनके अनुसार, जिस तरह जनता बड़ी संख्या में सामने आ रही है, उससे स्पष्ट है कि बैरकपुर समेत पूरा बंगाल बदलाव के लिए तैयार खड़ा है। पीएम मोदी ने अपने चुनावी रोड शो और रैलियों को 'तीर्थ यात्रा' जैसा अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि भोषण गर्मी और



टीएमसी सांसद मिताली बाग की कार पर हमला

सांसद और उनका ड्राइवर घायल; टीएमसी बोलों- शाह की धमकी के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं का हमला

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के हुगली में सोमवार को TMC सांसद मिताली बाग की कार पर हमला हुआ। TMC का आरोप है कि भाजपा समर्थकों ने गोगहाट में उनकी गाड़ी पर ईट-पत्थर और लाठियों से हमला किया। मिताली बाग गोगहाट से आरामबाग में अभिषेक बनर्जी के रोड शो में शामिल होने जा रही थीं। इसी दौरान उन पर हमला हुआ। हमले में कार के शीशे टूट गए। सांसद और उनके ड्राइवर को चोट आई है। घायलों को आरामबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है TMC ने कहा कि गुह मंत्री अमित शाह ने धमकी दी थी कि जो भी घर से बाहर निकलेगा, उसे उल्टा लटका दिया जाएगा। उसी के बाद यह हमला हुआ। इधर, पीएम नरेंद्र मोदी ने उतर 24 परगना में रैली की। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में बंगाल की दशा और दिशा दोनों बदलने वाली है। यह चुनाव सिर्फ बंगाल ही नहीं, पूरे पूर्वी भारत का भविष्य तय करेगा।

लगातार कार्यक्रमों के बावजूद उन्हें थकान महसूस नहीं हुई, क्योंकि लोगों का उत्साह उन्हें लगातार ऊर्जा देता रहा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम खत्म होने के बाद भी दूर-दूर तक लोगों की भीड़ लगी रहती थी, जिसे देखकर वह फिर से पूरे जोश के साथ उनके बीच पहुंच जाते थे। उन्होंने यह भी कहा कि मां काली के भक्तों के बीच जाने से उन्हें विशेष ऊर्जा मिलती रही। बैरकपुर से पश्चिम बंगाल के बैरकपुर में जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य की जनता के लिए पांच अहम गारंटियों का एलान किया। उन्होंने कहा कि ये वादे बंगाल के विकास और युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखकर किए गए हैं। पीएम मोदी

की पहली गारंटी के तहत रेहड़ी-पटरी पर काम करने वाले लोगों को बैंक के जरिए आर्थिक सहायता दी जाएगी, ताकि उनका कारोबार मजबूत हो सके। दूसरी गारंटी में उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकारी भर्तियां तय समयसीमा के भीतर और पूरी पारदर्शिता के साथ पूरी की जाएंगी। तीसरी गारंटी में रोजगार मेलों के माध्यम से युवाओं को सीधे नियुक्ति पत्र देने की बात कही गई है। वहीं चौथी गारंटी के तहत राज्य में सातवें वेतन आयोग को तुरंत लागू करने का वादा किया गया। पांचवीं और अहम गारंटी में पीएम मोदी ने कहा कि राज्य से पलायन रोकने के लिए गांवों में 125 दिनों का रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।

केजरीवाल बोले- जस्टिस स्वर्णकांता से न्याय की उम्मीद खत्म

● उनके बेटे को केंद्र से सबसे ज्यादा केस मिले, शराब घोटाला मामले में हाईकोर्ट नहीं जाऊंगा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने शराब नीति घोटाला मामले में हाईकोर्ट में पेश होने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा जी से न्याय मिलने की उम्मीद टूट चुकी है। मैं हाईकोर्ट में पेश नहीं



होऊंगा, न ही कोई दलील रखूंगा। मैंने अपनी अंतरआत्मा की आवाज सुनते हुए महात्मा गांधी के सत्याग्रह का रास्ता अपनाने का फैसला किया है। केजरीवाल ने कहा कि जस्टिस स्वर्णकांता के दोनों बच्चे केंद्र सरकार के वकील पैनल का हिस्सा हैं। सालिसिटर जनरल तुषार मेहता दोनों बच्चों को केस देते हैं। उनके बेटे को 2023 से 2025 के बीच लगभग 5904 केस मिले। अगर जज के बच्चों का भविष्य सालिसिटर जनरल तय कर रहे हैं तो क्या जज साहिबा उनके खिलाफ फैसला सुना पाएंगी।

लू से झुलस रहे दिल्ली-यूपी-बिहार

राजस्थान में पारा 46 के पार; मंगलवार से राहत मिलने के आसार



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, बिहार, उत्तराखंड और हिमाचल समेत उत्तर भारत के कई राज्य लू से झुलस रहे हैं। अलबत्ता, कुछ राज्यों में आंधी, बादल और छिटपुट बारिश ने राहत के संकेत भी दिए हैं। सबसे तीखा असर उत्तर प्रदेश और राजस्थान में दिखा, जहां पारा 46 डिग्री के करीब पहुंच गया। बादा 46.6 डिग्री सेल्सियस के साथ उत्तर प्रदेश का सबसे गर्म जिला रहा, जबकि राजस्थान के कोटा में 44.8 और चूरू में 43 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। राजस्थान के 10 शहरों में पारा 40 डिग्री के पार पहुंचना बताता है कि गर्मी ने व्यापक दायरा ले लिया है।

यूपी में लू का कहर

मौसम विभाग ने अगले दो दिन तक राहत सीमित रहने के संकेत दिए हैं। उत्तर प्रदेश में बांदा और प्रयागराज में लू के थपेड़ों ने लोगों की दिनचर्या प्रभावित कर दी है। कानपुर में भी तापमान 45.7 डिग्री तक पहुंच गया। सोमवार तक लू जारी रहने और मंगलवार से कुछ राहत मिलने की संभावना जताई गई है।

राजस्थान में भी हीट वेव

राजस्थान में भी हीट वेव जैसे हालात बने हुए हैं, जहां पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों में तपिश का असर साफ दिख रहा है। उत्तराखंड में अप्रैल की गर्मी ने 17 साल का रिकार्ड तोड़ दिया है। देहरादून में तापमान 39.2 डिग्री पहुंचने और मैदानी इलाकों में हीट वेव की आशंका के बीच प्रशासन ने एहतियातन स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र बंद रखने के आदेश दिए हैं, जो इस गर्मी से उपजे संकट की गंभीरता को रेखांकित करता है।

हरिद्वार में पारा 40 के पार

हरिद्वार और ऊधम सिंह नगर में भी रविवार को पारा 40 डिग्री पार रहा। दूसरी ओर पर्वतीय जिलों में ओलावृष्टि और बिजली गिरने का आरंभ अलर्ट जारी हुआ हिमाचल में ऊना, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और सोलन में लू की चेतावनी ने स्पष्ट किया है कि पहाड़ी राज्य में भी गर्मी असर दिखा रही है। ऊना में तापमान 41.8 डिग्री दर्ज हुआ, जबकि कई स्थानों पर सामान्य से दो से सात डिग्री अधिक तापमान रिकार्ड हुआ। बिहार में तस्वीर कुछ बदली हुई रही। भीषण गर्मी के बीच रविवार से मौसम करवट लेता दिखा।

सन फार्मा का मेगा अधिग्रहण

नई दिल्ली। भारत की बड़ी दवा कंपनियों में एक सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज ने एक बड़ा एलान किया है। कंपनी ने कहा है कि वह अमेरिका की कंपनी ऑर्गेनॉन को खरीदने जा रही है। यह सौदा करीब 11.75 अरब डॉलर (लगभग 98 हजार करोड़ रुपये) का है और यह सन फार्मा का अब तक का सबसे बड़ा विदेशी अधिग्रहण होगा। कंपनी के मुताबिक, इस डील के तहत सन फार्मा ऑर्गेनॉन के 100% शेयर खरीदेगी। हर शेयर की कीमत 14 डॉलर तय की गई है। इस तरह कंपनी का कुल एंटरप्राइज वैल्यू 11.75 अरब डॉलर और इक्विटी वैल्यू करीब 3.99 अरब डॉलर बैठती है। मामले में सन फार्मा का कहना है कि यह सौदा उसकी रणनीति का हिस्सा है। इसके जरिए कंपनी अपने इनोवेटिव (नई तरह की) दवाओं

11.75 अरब डॉलर में अमेरिकी ऑर्गेनॉन खरीदेगी कंपनी, अब तक की सबसे बड़ी विदेशी डील



के कारोबार को बढ़ाना चाहती है। साथ ही, वह पहले से मौजूद ब्रांडेड दवाओं और जेनरिक दवाओं के बिजनेस को भी मजबूत करेगी। इस डील की खास बात यह है कि इससे सन फार्मा बायोसिमिलर (जैविक दवाओं के सस्ते विकल्प) के क्षेत्र में भी मजबूत पंटी कर पाएगी और दुनिया के बड़े खिलाड़ियों में शामिल हो सकती है।

कितनी बड़ी बनेगी कंपनी?: इस अधिग्रहण के बाद बनने वाली संयुक्त कंपनी दुनिया की टॉप 25 दवा कंपनियों में शामिल हो सकती है। दोनों कंपनियों की कुल सालाना कमाई करीब 12.4 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। इसके अलावा, महिलाओं के स्वास्थ्य (वुमेन्स हेल्थ) और बायोसिमिलर सेक्टर में भी कंपनी को पकड़ मजबूत होगी।

समझिए ऑर्गेनॉन क्या करती है?: बता दें कि अमेरिका के न्यू जर्सी में स्थित ऑर्गेनॉन महिलाओं के स्वास्थ्य, बायोसिमिलर और पुरानी स्थापित दवाओं के क्षेत्र में काम करती है। कंपनी के पास 70 से ज्यादा प्रोडक्ट हैं और वह 140 से अधिक देशों में मौजूद है। इस सौदे को दोनों कंपनियों के बोर्ड ने मंजूरी दे दी है। अब इसे रेगुलेटरी मंजूरी और शेयरहोल्डर्स की सहमति मिलनी बाकी है। उम्मीद है कि यह डील 2027 की शुरुआत तक पूरी हो जाएगी।

पैसा कहां से आएगा?: सन फार्मा इस डील के लिए पैसा अपनी आंतरिक कमाई (इंटरनल फंड) और कर्ज (डेंट) के जरिए जुटाएगी। इसको लसेकर सन फार्मा के चेयरमैन दिलीप संघवी ने कहा कि इस अधिग्रहण से कंपनी और मजबूत और विविध (डाइवर्स) बनेगी। वहीं, मैनेजिंग डायरेक्टर किर्ति गानोरकर ने कहा कि इस डील से आगे काफी ग्रोथ और तालमेल (सिनर्जी) के मौके मिलेंगे।

समझिए शेयर बाजार पर कैसा होगा असर?: गौरतलब है कि इस खबर के बाद सन फार्मा के शेयरों में तेजी देखी गई। सोमवार को कंपनी का शेयर करीब 6.7% तक बढ़कर 1,728.65 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। कुल मिलाकर, यह डील भारतीय फार्मा सेक्टर के लिए एक बड़ा कदम मानी जा रही है, जिससे सन फार्मा की वैश्विक ताकत और बढ़ेगी।

चिट्ठे के खिलाफ महिलाएं ःघर से शुरु हुई नशे के खिलाफ लड़ाई

आमतौर पर नशाखोरी के खिलाफ जब किसी गांव को ‘रेड जोन’ घोषित किया जाता है, तो यह आधिकारिक तौर पर एक सामाजिक चेतावनी होती है। लेकिन शिमला के कुछ हिस्सों में घोषित यह चेतावनी पुलिस या प्रशासन द्वारा नहीं, बल्कि उन महिलाओं द्वारा जारी की गई है जो परिवारों व समाज को नशे के नासुर से बचना चाहती हैं। पति हो या बेटा, नशे की हर त्रासदी का त्रास महिलाएं ही भुगतती हैं। वह चाहे किसी अपने को असमय खोना हो या आर्थिक

रूप से परिवारिक क्षति हो। यही वजह है कि नशे के खिलाफ अभियान को जमीनी हकीकत बनाने के मकसद से माताएं, बहनें और पत्नियां घर की चौखट से बाहर निकलकर सार्वजनिक रूप से मुखर हुई हैं। महिलाओं के नेतृत्व में चलने वाले इस अभियान को गति देने के लिये सतकंता समूह बनाये गए हैं। जिसमें नशे के कारोबार और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिये रात्रि गश्त भी शामिल है। साथ ही नशे की लत के शिकार लोगों को नशामुक्ति केंद्रों तक ले जाने में

पहल की जा रही है। निस्संदेह, महिलाएं पुरुष व्यवहार को समझने में खासी संवेदनशील होती हैं। वे नशा करने वाले किसी पारिवारिक सदस्य के व्यवहार में बदलाव, भावनात्मक टूटन व नशे के कारण होने वाली आर्थिक तंगी पर पैनी दृष्टि रखती हैं। उनके व्यक्तिगत अनुभवों के फलस्वरूप वे आधिकारिक रिपोर्ट आने से पहले ही नशे की

संपादकीय

लत में जकड़े लोगों को पहचानने का प्रयास करती हैं। निस्संदेह, जमीनी स्तर पर चलाए जा रहे इस सार्वजनिक अभियान के सार्थक परिणाम आने की उम्मीद जगी है। निर्विवाद रूप से पुलिस व प्रशासन की छापेमारी और गिरफ्तारियां नशे की आपूर्ति पर किसी हद तक अंकुश लगा सकती हैं, लेकिन दूट-बिखर रहे घरों को नहीं बचाया जा सकता।

निस्संदेह, नशाखोरी के कई सामाजिक आयाम भी हैं, जिसे सामाजिक स्तर पर पहल करके रोका जा सकता है। रचनात्मक पहल से ही उन कारकों को संबोधित किया जा सकता है जो नशीले पदार्थों को बढ़ावा देते हैं। वाकई सामुदायिक स्तर पर सतर्कता बेहद जरूरी है और महिलाएं इसका नेतृत्व करने में सक्षम भूमिका का निर्वहन कर सकती हैं। सही मायनों में हिमाचल सरकार की ‘चिट्ठा विरोधी पदयात्रा’ और ‘महिला मंडली’ की सार्थक पहल का स्वागत किया जाना चाहिए।

निस्संदेह, इस रचनात्मक पहल को संस्थागत स्तर भी समर्थन देने की जरूरत है क्योंकि नशे के कारोबार में संगठित गिरोह भी गहरे तक जुड़े रहते हैं। ऐसे में मादक पदार्थों के तस्करी का सामना करने वाली महिलाओं को अपराधियों की धमकी आदि जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है। जिसके लिये सक्रिय पुलिसिंग, गवाहों को सुरक्षा देने, नशा मुक्ति के लिए पुनर्वास सुविधाएं और लगातार जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता भी होगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति पर हमला मतलब सुरक्षा में भारी चूक

सौरभ वार्धेय

अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में आयोजित व्हाइट हाउस करिस्पाॅन्डेंट्स डिनर—जो परंपरागत रूप से प्रेस की स्वतंत्रता और सत्ता के बीच संवाद का प्रतीक माना जाता है। इस बार एक भयावह सुरक्षा चूक का गवाह बन गया। जिस आयोजन में पत्रकार, राजनेता और नीति-निर्माता एक मंच पर आते हैं, वहीं गोलियों की आवाज ने लोकतंत्र के इस उत्सव को दहशत में बदल दिया। शनिवार रात आयोजित इस कार्यक्रम में एक सशस्त्र हमलावर ने सुरक्षा घेरा तोड़ने की कोशिश की और गोलीबारी कर दी। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि अमेरिकी राष्ट्रपति को तत्काल कार्यक्रम से सुरक्षित बाहर लेकर जाना पड़ा। अमेरिकी राष्ट्रपति पर हुआ हमला केवल एक व्यक्ति या पद पर आघात नहीं है, बल्कि यह विश्व के सबसे पुराने लोकतंत्रों में से एक की संस्थाओं, स्थिरता और सुरक्षा व्यवस्था पर सीधा प्रश्नचिह्न है। अमेरिका जैसे देश, जो वैश्विक स्तर पर लोकतांत्रिक मूल्यों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और कानून के शासन का प्रतिनिधित्व करता है, वहां इस तरह की घटना गहरी चिंता पैदा करती है।

सबसे पहले, यह घटना बताती है कि दुनिया के सबसे सशक्त देशों में भी सुरक्षा तंत्र अभेद्य नहीं है। राष्ट्रपति की सुरक्षा को अत्यंत उच्च स्तर का माना जाता है, फिर भी यदि उस पर हमला संभव हो जाता है, तो यह सुरक्षा एजेंसियों की रणनीति और खुफिया तंत्र की समीक्षा की मांग करता है। यह केवल तकनीकी विफलता नहीं, बल्कि संभावित रूप से बढ़ती आंतरिक अस्थिरता का संकेत भी हो सकता है। दूसरा पहलू राजनीतिक भ्रूवीकरण का है। हाल के वर्षों में अमेरिका में वैचारिक विभाजन तीव्र हुआ है। ऐसी परिस्थितियों में हिंसक घटनाएं केवल सुरक्षा की कमी नहीं, बल्कि सामाजिक असंतोष और राजनीतिक कड़वाह के उभार का परिणाम भी हो सकती हैं। यदि लोकतांत्रिक संवाद की जगह आक्रोश और हिंसा ले लेते हैं, तो यह किसी भी लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है। तीसरा, इस घटना के अंतरराष्ट्रीय प्रभाव भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। अमेरिका वैश्विक राजनीति का केंद्र है, और वहां की अस्थिरता का असर विश्व अर्थव्यवस्था, कूटनीति और सुरक्षा पर पड़ सकता है। सहयोगी देशों के लिए यह चिंता का विषय है कि क्या अमेरिका अपनी आंतरिक चुनौतियों के बीच वैश्विक नेतृत्व की भूमिका प्रभावी ढंग से निभा पाएगा।

हालांकि, यह भी ध्यान देने योग्य है कि लोकतंत्र की असली ताकत उसकी पुनरुत्थान क्षमता में होती है। अमेरिका ने अपने इतिहास में कई संकट देखे हैं—चाहे वह गृहयुद्ध हो, आतंकवादी हमले हों या राजनीतिक उथल-पुथल—और हर बार उसने संस्थाओं को मजबूत करते हुए आगे बढ़ने का प्रयास किया है। यह घटना एक स्पष्ट संदेश देती है कि लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं चलता, बल्कि उसे निरंतर संवाद, सहिष्णुता और संस्थागत मजबूती की आवश्यकता होती है। अमेरिका के लिए यह आत्ममंथन का क्षण है—और दुनिया के अन्य लोकतंत्रों के लिए भी एक चेतावनी कि राजनीतिक असहमति को हिंसा में बदलने से रोकना कितना आवश्यक है।

यह घटना सिर्फ एक आपराधिक कृत्य नहीं, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था की गहरी खामियों को उजागर करती है। रिपोर्ट्स के अनुसार, हमलावर होटल में पहले से उहरा हुआ था और सुरक्षा जांच में कई स्तरों पर चूक हुई—यहां तक कि कुछ क्षेत्रों में पर्याप्त निगरानी और मेटल डिटेक्टर जैसी बुनियादी व्यवस्थाएं भी नहीं थीं।सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि हमलावर हथियारों के साथ कार्यक्रम स्थल के काफी करीब पहुंच गया और उसने एक सुरक्षा चौकी पर हमला किया। यदि यह हमला कुछ सेकंड और सफल हो जाता, तो इसके परिणाम कहीं अधिक भयावह हो सकते थे। एक एजेंट के घायल होने की खबर इस बात का संकेत है कि खतरा कितना वास्तविक था। यह सवाल उठाना स्वाभाविक है—क्या अमेरिका जैसे देश में, जहां सुरक्षा एजेंसियां दुनिया की सबसे सक्षम माना जाती हैं, इतनी बड़ी चूक कैसे हो सकती है? व्हाइट हाउस करिस्पाॅन्डेंट्स डिनर केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह उस लोकतांत्रिक भावना का प्रतीक है जहां सत्ता और मीडिया एक साथ बैठकर संवाद करते हैं। लेकिन यह घटना बताती है कि खुलापन और सुरक्षा के बीच संतुलन बनाना कितना कठिन हो गया है।

सुरक्षित कार्यस्थल, स्वस्थ कर्मचारी, समृद्ध राष्ट्र:विश्व कार्यस्थल सुरक्षा एवं स्वास्थ्य दिवस

सुनील कुमार महला

प्रतिवर्ष 28 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आइएलओ) द्वारा विश्व कार्यस्थल सुरक्षा एवं स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। वास्तव में,इस दिवस का मुख्य उद्देश्य कार्यस्थलों पर काम करने वालों की उचित सुरक्षा, उनके बेहतर स्वास्थ्य तथा दुर्घटनाओं की रोकथाम के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह दिवस हमें यह याद दिलाता है कि सुरक्षित कार्यस्थल केवल कर्मचारियों का अधिकार ही नहीं, बल्कि उत्पादकता (प्रोडक्टिविटी) बढ़ाने और समाज तथा राष्ट्र के आर्थिक विकास के लिए भी अनिवार्य है। सच तो यह है कि कोई भी काम किसी व्यक्ति की जान या उसके स्वास्थ्य से बड़ा नहीं हो सकता। स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है।हमारे यहां कहा भी गया है कि-पहला सुख निरोगी काया। दुनिया की तमाम धन-दौलत, ऊंचे पद और सुख-सुविधाएं, विलासिता सबकुछ व्यर्थ हैं, यदि मनुष्य का शरीर स्वस्थ न हो। हमें यह याद रखना चाहिए कि स्वस्थ मस्तिष्क ही हमारी रचनात्मक सोच का आधार है और मस्तिष्क व शरीर स्वस्थ होगा तभी कोई मनुष्य कठिन परिश्रम कर सकता है।सच तो यह है कि जब हम स्वस्थ और सुरक्षित होते हैं, तब अधिक रचनात्मक, अधिक उत्पादक बनते हैं और जीवन में सफलता का आधार तैयार करते हैं। स्वस्थ रहकर हम न केवल अपने जीवन का असली आनंद लेते हैं, बल्कि अपनी आर्थिक स्थिति को भी सुरक्षित व सही रख सकते हैं। अक्सर यह कहा जाता कि एक बीमार राजा की तुलना में एक स्वस्थ पिछारी अधिक सुखी और शक्तिशाली होता है।

हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चल् कि अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन विश्वभर में विभिन्न श्रमिकों के अधिकारों तथा सुरक्षित कार्यस्थलों के लिए कार्य करता है।पाठक जानते हैं कि आज पूरी दुनिया में हर वर्ष लाखों लोग कार्यस्थल दुर्घटनाओं या काम से जुड़ी अनेक बीमारियों व रोगों का शिकार होते हैं।विश्व कार्यस्थल सुरक्षा एवं स्वास्थ्य दिवसको मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य कार्यस्थल दुर्घटनाओं को रोकना, व्यावसायिक रोगों से बचाव करना, कर्मचारियों के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य की रक्षा करना तथा एक सुरक्षित, सुंदर व अच्छी कार्य संस्कृति विकसित करना है। यहां पाठकों को बताता चल् कि व्यावसायिक रोग वे रोग या बीमारियां हैं, जो किसी व्यक्ति को उसके काम, कार्यस्थल या पेशे की परिस्थितियों के कारण हो जाती हैं। अर्थात नौकरी या व्यवसाय से जुड़े वातावरण, रसायनों, धूल, शोर, तनाव, मशीनों या संक्रमण के कारण होने वाले रोग व्यावसायिक रोग



कहलाते हैं।

आज बहुत से लोग ऐसे कल-कारखानों में काम करते हैं, जहां उन्हें अनेक प्रकार की बीमारियां घेर लेती हैं। उदाहरण के तौर पर पटाखों के कारखानों में जलने की दुर्घटनाएं, बारूद की गंध, धुएँ से आंखों व त्वचा के गंभीर और अधिक लोगों की जान गईं। इतना ही नहीं, केरल के त्रिशूर में भी एक अन्य पटाखा इकाई में विस्फोट से लगभग 13 श्रमिकों की मौत हुई और कई घायल हुए। अभी कुछ समय पहले इसी साल फरवरी 2026 में आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले के पटाखा कारखाने में बड़ा धमाका हुआ, जिसमें करीब 21 लोगों की मृत्यु हुई। इतना ही नहीं, मार्च 2026 में महाराष्ट्र के नागपुर स्थित एक औद्योगिक इकाई में विस्फोट हुआ, जिसमें लगभग 26 श्रमिकों की जान गई।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी इसी साल यानी कि वर्ष 2026 में अमेरिका के वेस्ट वर्जीनिया स्थित एक रासायनिक संयंत्र में गैस रिसाव की घटना में 2 लोगों की मृत्यु और कई लोग प्रभावित हुए। इसी अवधि में दक्षिण कोरिया के दर्जनों की एक फैक्ट्री में आग लगने से 14 लोगों की मृत्यु और दर्जनों घायल हुए। वास्तव में, इन सभी उक्त घटनाओं से यह बिल्कुल स्पष्ट है कि औद्योगिक सुरक्षा नियमों की अनदेखी, प्रशिक्षण की कमी और आपातकालीन व्यवस्था का अभाव कार्यस्थल दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बनता है।

हाल फिलहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि यह दिवस केवल कारखानों तक सीमित नहीं है, बल्कि कार्यालयों, स्कूलों, अस्पतालों, निर्माण स्थलों, खेतों, दुकानों और ऑनलाइन कार्यस्थलों पर भी समान रूप से लागू होता है। हमें यह बात अपने मन में रखनी चाहिए कि यदि हमारे देश के कार्यस्थल सुरक्षित होंगे तो कर्मचारी सुरक्षित व स्वस्थ रहेंगे, और यदि किसी देश के कर्मचारी स्वस्थ व सुरक्षित होंगे तो वह देश खुशहाली और उन्नयन

हैं। मसलन, इसी साल यानी कि वर्ष 2026 में छत्तीसगढ़ के सक्ती स्थित वेदांता पावर प्लांट में बाॅयलर विस्फोट हुआ, जिसमें लगभग 25 श्रमिकों की मृत्यु हुई और कई घायल हुए। इसी वर्ष तमिलनाडु के विरुधुनगर में पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट हुआ, जिसमें 25 से अधिक लोगों की जान गई। इतना ही नहीं, केरल के त्रिशूर में भी एक अन्य पटाखा इकाई में विस्फोट से लगभग 13 श्रमिकों की मृत्यु हुई और कई घायल हुए। अभी कुछ समय पहले इसी साल फरवरी 2026 में आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले के पटाखा कारखाने में बड़ा धमाका हुआ, जिसमें करीब 21 लोगों की मृत्यु हुई। इतना ही नहीं, मार्च 2026 में महाराष्ट्र के नागपुर स्थित एक औद्योगिक इकाई में विस्फोट हुआ, जिसमें लगभग 26 श्रमिकों की जान गई।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी इसी साल यानी कि वर्ष 2026 में अमेरिका के वेस्ट वर्जीनिया स्थित एक रासायनिक संयंत्र में गैस रिसाव की घटना में 2 लोगों की मृत्यु और कई लोग प्रभावित हुए। इसी अवधि में दक्षिण कोरिया के दर्जनों की एक फैक्ट्री में आग लगने से 14 लोगों की मृत्यु और दर्जनों घायल हुए। वास्तव में, इन सभी उक्त घटनाओं से यह बिल्कुल स्पष्ट है कि औद्योगिक सुरक्षा नियमों की अनदेखी, प्रशिक्षण की कमी और आपातकालीन व्यवस्था का अभाव कार्यस्थल दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बनता है।

हाल फिलहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि यह दिवस केवल कारखानों तक सीमित नहीं है, बल्कि कार्यालयों, स्कूलों, अस्पतालों, निर्माण स्थलों, खेतों, दुकानों और ऑनलाइन कार्यस्थलों पर भी समान रूप से लागू होता है। हमें यह बात अपने मन में रखनी चाहिए कि यदि हमारे देश के कार्यस्थल सुरक्षित होंगे तो कर्मचारी सुरक्षित व स्वस्थ रहेंगे, और यदि किसी देश के कर्मचारी स्वस्थ व सुरक्षित होंगे तो वह देश खुशहाली और उन्नयन

की ओर अग्रसर होगा। शायद यही कारण है कि इस दिवस का नारा माना जाता है- सुरक्षित कार्यस्थल, स्वस्थ कर्मचारी, समृद्ध राष्ट्र। सच तो यह है कि इस दिवस का सीधा संदेश यही है कि कार्यस्थल पर काम बहुत जरूरी है, लेकिन मनुष्य जीवन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। पेशेवर जोखिमों से कर्मचारियों को बचना ही इस दिवस का मुख्य उद्देश्य है। सरल शब्दों में कहा जा सकता है कि इसका प्राथमिक उद्देश्य कार्यस्थल पर सुरक्षा और स्वास्थ्य की संस्कृति को बढ़ावा देना है, ताकि काम से संबंधित मौतों और चोटों की संख्या कम की जा सके।

यदि इस दिवस के इतिहास की बात करें तो अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने वर्ष 2003 में इसे मनाना शुरू किया था। इसका मकसद सुरक्षित काम को अंतरराष्ट्रीय एजेंडे में लाना था। उल्लेखनीय है कि 28 अप्रैल को वर्ष 1996 से ही ट्रेड यूनियन आंदोलन द्वारा मृत और घायल श्रमिकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्मृति दिवस के रूप में भी मनाया जाता रहा है। वास्तव में, यह दिवस मृतकों के लिए शोक मनाता है और जीवितों के लिए लड़ता है और यही इसका मूल व अहम संदेश भी है।

इस दिवस की थीम/विषय की बात करें तो पिछले वर्ष अर्थात 2025 की आधिकारिक थीम थी-एक सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण : श्रम पर एक मौलिक सिद्धांत और अधिकार। इस थीम के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षित वातावरण में काम करना केवल सुविधा नहीं, बल्कि हर श्रमिक का बुनियादी अधिकार है। वहीं, इस वर्ष अर्थात 2026 की थीम जलवायु परिवर्तन और कार्य सुरक्षा पर केंद्रित है-जलवायु परिवर्तन के प्रभाव में सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण सुनिश्चित करना। सरल शब्दों में कहें तो इस वर्ष की थीम जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न नए खतरों, जैसे अत्यधिक गर्मी और वायु प्रदूषण, पर केंद्रित है।अब आंकड़ों पर आते हैं। यदि हम यहां पर आंकड़ों की बात करें तो, हाल ही में अप्रैल 2026 में आई अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में हर वर्ष 8.4 लाख से अधिक मौतें केवल खराब कार्य संस्कृति, लंबे कामकाजी घंटों और कार्यस्थल पर उत्पीड़न के कारण हो रही हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि कार्यस्थल पर होने वाली 80 प्रतिशत से अधिक मौतें दुर्घटनाओं से हैं। बल्कि काम से संबंधित बीमारियों, जैसे कैंसर और हृदय रोग, के कारण होती हैं। खराब सुरक्षा उपायों के कारण दुनिया को अपनी कुल जीडीपी(सकल घरेलू उत्पाद) का लगभग 4 प्रतिशत हिस्सा हर

वर्ष गंवाना पड़ता है। खराब स्वास्थ्य और सुरक्षा मानकों के कारण हर साल खरबों डॉलर का नुकसान होता है, जो कई छोटे देशों की पूरी अर्थव्यवस्था से भी बड़ा है। इसका अर्थ है कि इससे किसी भी देश को भी सुरक्षा देने, नशा मुक्ति के लिए पुनर्वास प्रभाव पड़ता है।

यह भी उल्लेखनीय है कि हाल के वर्षों में बर्नआउट और तनाव को भी पेशेवर स्वास्थ्य जोखिमों की श्रेणी में शामिल किया गया है, जो पहले केवल शारीरिक चोटों तक सीमित था। अर्थात आज मानसिक स्वास्थ्य को भी पेशेवर स्वास्थ्य जोखिमों की श्रेणी में शामिल कर लिया गया है। आज एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और संचार क्रांति का युग है। अच्छी बात यह है कि रोबोट और एआई अब खतरनाक कार्यों, जैसे गहरी खदों या जगह ले रहे हैं, जिससे मौतें कम हुई हैं। 1996 से ही ट्रेड यूनियन आंदोलन द्वारा मृत और घायल श्रमिकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्मृति दिवस के रूप में भी मनाया जाता रहा है। वास्तव में, यह दिवस मृतकों के लिए शोक मनाता है और जीवितों के लिए लड़ता है और यही इसका मूल व अहम संदेश भी है।

इस दिवस की थीम/विषय की बात करें तो पिछले वर्ष अर्थात 2025 की आधिकारिक थीम थी-एक सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण : श्रम पर एक मौलिक सिद्धांत और अधिकार। इस थीम के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षित वातावरण में काम करना केवल सुविधा नहीं, बल्कि हर श्रमिक का बुनियादी अधिकार है। वहीं, इस वर्ष अर्थात 2026 की थीम जलवायु परिवर्तन और कार्य सुरक्षा पर केंद्रित है-जलवायु परिवर्तन के प्रभाव में सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण सुनिश्चित करना। सरल शब्दों में कहें तो इस वर्ष की थीम जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न नए खतरों, जैसे अत्यधिक गर्मी और वायु प्रदूषण, पर केंद्रित है।अब आंकड़ों पर आते हैं। यदि हम यहां पर आंकड़ों की बात करें तो, हाल ही में अप्रैल 2026 में आई अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में हर वर्ष 8.4 लाख से अधिक मौतें केवल खराब कार्य संस्कृति, लंबे कामकाजी घंटों और कार्यस्थल पर उत्पीड़न के कारण हो रही हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि कार्यस्थल पर होने वाली 80 प्रतिशत से अधिक मौतें दुर्घटनाओं से हैं। बल्कि काम से संबंधित बीमारियों, जैसे कैंसर और हृदय रोग, के कारण होती हैं। खराब सुरक्षा उपायों के कारण दुनिया को अपनी कुल जीडीपी(सकल घरेलू उत्पाद) का लगभग 4 प्रतिशत हिस्सा हर

अंत में, निष्कर्ष के तौर पर यहां यही कहा जा सकता है कि विश्व कार्यस्थल सुरक्षा एवं स्वास्थ्य दिवस हमें यह संदेश देता है कि सुरक्षित कार्यस्थल केवल नियमों से नहीं, बल्कि जन-जागरूकता, पूर्ण जिम्मेदारी और संवेदनशीलता से बनता है। आज के मशीनी व आधुनिक युग में प्रत्येक कर्मचारी को सुरक्षित वातावरण, स्वास्थ्य सुविधाएं और सम्मानजनक कार्य परिस्थितियाँ मिलनी चाहिए। दुर्घटनाओं तथा व्यावसायिक रोगों की रोकथाम के लिए नियोजता, कर्मचारी और सरकार-तीनों की साझा भूमिका है। हमें यह याद रखना चाहिए कि स्वस्थ श्रमिक ही सशक्त समाज और समृद्ध राष्ट्र की नींव होते हैं।

(—सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार, पिथौरागढ़, उत्तराखंड।)

भारतीय राजनीति के ये जय चंद और मीर जाफ़र

सिद्धांत व विचारविहीन राजनीति करते हुये अपनी सुविधा,लाभ व राजनैतिक भविष्य के महंनजर दल बदल करना

हमारे देश में एक हकीकत बन चुकी है ।

सच पुष्टि हो वर्तमान सत्तारूढ़

भारतीय जनता पार्टी की पूरी सत्ता इस

समय दल बदलुओं के भरोसे ही चल

रही है ।इस समय केंद्रीय मंत्री,मुख्य

मंत्री,सांसद विधायक जैसे तमाम पदों

पर केले के कांड़ेसी आज के भाजपाई

बन देख जा सकते हैं ।इनमें कई तो

लंबे समय तक विपक्ष की भूमिका में न

रह पाने और संघर्ष व विपक्ष की

राजनीति में सक्षम न हो पाने के कारण

किसी न किसी बहाने से भाजपा में

शामिल हुये ।तो कई भ्रष्ट लोग जेल

जाने या क़ानूनी कार्रवाई से बचने के

लिये राजनैतिक धर्म परिवर्तन करने

को मजबूर हुये ।

तनवीर जाफ़री

कुछ नेता डर,लालच या भयवश इधर से उधर करने को बाध्य हुये तो दल बदल के लिये उतावले कई नेता पार्टी में अपनी उषेष्ठा का बहाना बनाकर चलते बने। यह और बात है कि ऐसे अनेक लोग दल बदल कर जहाँ गए वहाँ भी वे देखते देखते लगाना हो गये।

पिछले दिनों आम आदमी पार्टी को भी उस समय एक बार फिर जबरदस्त झटका लगा जबकि उसके जय सभा के दस में से सात सांसदों ने दल बदल कर भाजपा में शरण ले ली। ये सभी सात सांसद पंजाब राज्य से निर्वाचित होकर आये थे। गौरतलब है कि इस समय आम आदमी पार्टी केवल पंजाब में ही सत्ता में है। और इसी राज्य के 7 राज्य सभा सांसदों के पार्टी बदलने के बाद अब कई विधायकों के भी दल बदल की संभावना जताई जा रही है। इस दल बदल के मुख्य सूत्रधार के रूप में राघव चड्ढा को देखा जा रहा है। राघव चड्ढा वही हैं जो कई बार यह कह चुके हैं कि भाजपा अनपढ़ व गुंडों की पार्टी है। यह गुंडों को संरक्षण देने वाली पार्टी है। राघव चड्ढा पिछले दिनों राज्यसभा में उठाये गये कई जनहितकारी मुद्दों को लेकर जनता में काफ़ी लोकप्रिय हो गये थे। उन्होंने संसद में गिंग वर्कर्स की सुरक्षा, एयरपोर्ट पर आम लोगों को मिलने वाला महंगा नाश्ता ,ग़रीब आदमी का मिनिमम वेलैस कम होने पर उसपर लगने वाली बैंक पैन्लटी, पैटर्निटी लीव, स्वास्थ्य सेवा, इनकम टैक्स जैसे अनेक मुद्दे



उठाये थे। तथा इन मुद्दों पर सरकार से एक्शन लेने की मांग भी की थी। इन दलबदल करने वालों में एक राज्यसभा सांसद का नामअशोक मित्तल है। ये उस लवली ग्रुप के मालिक हैं जिसका वार्षिक टर्नओवर 7850 करोड़ का बताया जा रहा है। मित्तल, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, लवली ऑटोज, लवली स्पोर्ट्स जैसे संस्थानों के स्वामी हैं। अभी कुछ दिन पहले ही मित्तल के लगभग सभी ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ED) की छापेमारी भी हुई थी। और आख़िरकार इन्होंने भी भाजपा की शरण में जाकर अपने व्यवसायिक साम्राज्य की रक्षा करने में ही अपनी भलाई समझी।

बहरहाल जितने भी चेहरे आम आदमी पार्टी

दलबदलुओं की तुलना इतिहास के ग़द्दार जय चंद व मीर जाफ़र से कर रही है। यह सरासर पंजाब के उल्लोगों से धोखा व ग़द्दारी है जिन्होंने इन दलबदलुओं को मान सम्मान देकर राज्य सभा में भेजा। ऐसा माना जा रहा है कि पहले भी विभिन्न राज्यों में राजनैतिक तोड़फोड़ कर सत्ता परिवर्तन करने वाली भाजपा पंजाब में भी निर्वाचित सरकार को गिराने या अस्थिर करने के लिये आम आदमी पार्टी के विधायकों के साथ भी यही धिनीना खेल, खेल सकती है।

परन्तु भाजपा व इनके पाले में गये अवसरवादी दलबदलुओं को इसबार यह खेल मंहणा पड़ सकता है। क्योंकि इस दल बदल से आम जनता में भारी रोष है। कई किसान नेता भी खुलकर इन अवसरवादियों के विरुद्ध मैदान में आ गए हैं। जिससे ऐसा लगता है कि इन लोगों का भविष्य में जनता के बीच जाना आसान नहीं होगा। इस बात की भी उम्मीद की जा रही है कि भाजपा ने अगले वर्ष राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों के पहले जिन उम्मीदों से ऑपरेशन लोटस चलाया था उन उम्मीदों पर भी पानी फिरेने वाला है। यह भी क्रयास लगाये जा रहे हैं कि यदि इन राजनैतिक घटनाक्रम से आम आदमी पार्टी को नुक़सान हुआ भी तो भी भाजपा को कोई फ़ायदा नहीं मिलने वाला। बजाये इसके कांग्रेस जरूर राज्य में अपनी स्थिति मजबूत कर सकती है। उधर क़ानूनी जानकारों का भी कहना है कि यह सातों सांसद भले ही दो तिहाई सदस्यों

के पार्टी छोड़ने को दल बदल क़ानून के दायरे से बाहर बता रहे हों परन्तु वास्तव में ऐसा नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है कि सांसदों से पहले यदि आम आदमी पार्टी के सदस्यों द्वारा बाक़ायदा दो तिहाई बहुमत से प्रस्ताव पारित कर पार्टी छोड़ने की घोषणा की गयी होती उसके बाद ही सांसदों का दो तिहाई दल बदल क़ानूनी रुप से सही माना जाता। परन्तु चूँकि पार्टी की तरफ़ से ऐसा कुछ भी नहीं है इसलिए इन सभी का दलबदल पूरी तरह ग़ैक़ानूनी है। लिहाजा यदि राज्य सभा के सभापति से लेकर अदालत तक ने समय रहते ईमानदारी से फ़ैसला किया तो इन सभी दलबदलुओं की राज्य सभा सदस्यता जा सकती है।

बहरहाल यह महाराष्ट्र नहीं जहाँ भाजपा ने शिवसेना में विभाजन करारकर सत्ता हथियाने का चक्रव्यूह रचा था। बल्कि यह वह पंजाब है जिसने किसान आंदोलन में इसी सरकार को नार्को चने चबाने और विवादित कृषि क़ानून वापस लेने पर मजबूर कर दिया था। पंजाब में ही कांग्रेस व अकाली दल छोड़कर अपने उज्जवल राजनैतिक कैरियर की तलाश में भाजपा में शामिल अनेक प्रमुख नेताओं का आज कोई अंता पता ही नहीं है। भारतीय राजनीति के इन जय चंदों और और मीर जाफ़रों को भी न तो पंजाब की जनता बख़्शने वाली है न ही भाजपा में इन्हें वह मान सम्मान व अवसर मिलने वाला है जो इन्हें आम आदमी पार्टी में हासिल था। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

ट्रैक्टर-ट्रॉली से टक्कर में स्कूटी सवार युवती की दर्दनाक मौत

कानपुर,एजेंसी। चक्रेी क्षेत्र में सोमवार दोपहर सड़क हादसे में स्कूटी सवार 19 वर्षीय युवती की मौत हो गई। हादसा प्रधानमंत्री आवास योजना नगवा के पास सकरापुर बंबा के निकट हुआ, जहां विपरीत दिशा से आ रहे मोरंग लदे ट्रैक्टर-ट्रॉली से आमने-सामने टक्कर हो गई। देहली सुजानपुर निवासी नन्ही (19) पुत्री कन्हैयालाल अपनी स्कूटी से किसी काम से जा रही थी। इसी दौरान सामने से आ रहे महिंद्रा ट्रैक्टर-ट्रॉली से उसकी भिड़त हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रैक्टर-ट्रॉली और स्कूटी दोनों सड़क किनारे नाले में पलट गए। हादसे में युवती ट्रॉली के नीचे दब गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जेसीबी की मदद से ट्रॉली हटवाकर युवती को बाहर निकलवाया। गंभीर हालत में उसे एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इस्पेक्टर सेन पश्चिम पारा प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस ने क्रेन की मदद से नाले में गिरे ट्रैक्टर-ट्रॉली और स्कूटी को बाहर निकलवाया है। किशोरी का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

बिल्हौर के अरौल में जीटी रोड हाईवे पर दुर्घटना में बाइक सवार पिता-पुत्र की मौत

कानपुर ,एजेंसी। सोमवार सुबह ककवन के गांव फतेपुर से बाइक पर सवार होकर अर्जुनपुर छिब्रामऊ, जिला कन्नौज जा रहे पिता-पुत्र अरौल कस्बे के कुछ आगे सरैया गांव के सामने जीटी रोड हाईवे पर सड़क किनारे खड़ी डीसीएम में जा टकराए। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और पिता-पुत्र बुरी तरह लहलुहान हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से घायलों को उपचार के लिए सीएचसी में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार ककवन थाना क्षेत्र के फतेपुर गांव निवासी कमलेश कुमार बाथम (54) अपने पुत्र अंकुर बाथम (19) के संग बाइक पर सवार होकर रिशतेदारी अर्जुनपुर, छिब्रामऊ, जिला कन्नौज जाने के लिए करीब 6 बजे घर से निकले थे। अभी पिता-पुत्र जीटी रोड हाईवे के अरौल सरैया गांव ही पहुंचे थे तभी सड़क किनारे खड़ी डीसीएम से दोनों सवार जा टकराए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बाइक की रफ्तार इतनी तेज थी कि टक्कर लगने के बाद पिता-पुत्र सड़क पर राइटे हुए दूर जा गिरे। दोनों के सिर-छाती, हाथ-पैर और शरीर पर गंभीर चोटें आने से खून बहने लगा। आनन-फानन में मामले की सूचना पुलिस को दी गई। थानाध्यक्ष जनार्दन यादव ने बताया कि सूचना के फौरन बाद घायलों को उपचार के लिए सीएचसी भेजा गया। जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। शवों का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। वहीं दुर्घटना की सूचना पर पहुंचे परिजनों का रो-रोकर हाल बेहाल बना रहा।

तेज रफ्तार कार नाले में गिरी, बाल-बाल बचे लोग, मचा हड़कंप



कानपुर ,एजेंसी। रावतपुर थाना क्षेत्र में एक बड़ा हादसा सामने आया, जहां तेज रफ्तार और अनियंत्रित हुई कार अचानक नाले में जा गिरी। घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया और स्थानीय लोग तुरंत मदद के लिए दौड़ पड़े। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार तेज गति में थी और चालक नियंत्रण खो बैठा, जिसके चलते वाहन सीधे नाले में जा गिरा। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया गया। घटना की सूचना मिलते मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

रनियां में स्ट्रीट लाइटें टप, रात में रहता हादसे का डर

कानपुर, रनियां,एजेंसी। नगर के रास्तों को दूधिया रोशन करने के लिए नगर पंचायत प्रशासन ने स्ट्रीट लाइटें लगवाई थी लेकिन देखरेख नहीं की गई। इससे कुछ जगहों की लाइटें काफी दिनों से बंद हैं। कुछ स्ट्रीट लाइटों के पोल भी उखड़ गए हैं। रात में अंधाकुप होने से आवागमन में परेशानी होती है। नगर पंचायत में वर्ष 2024 में 409 स्ट्रीट लाइटें कटका मार्ग, रनियां बाजार मार्ग, सरवनखेड़ा मार्ग, जिरिहा मार्ग, रनियां मार्ग व विसायकुपार में सड़क किनारे लगवाई गई थीं। इससे मार्गों पर रोशनी होने से लोगों को आवागमन में सहूलियत हो गई थी। एक वर्ष बाद जगह जगह स्ट्रीट लाइटें बंद होना शुरू हो गया। बारिश में स्ट्रीट लाइट के पोल में करंट से चिपक कर एक साइंड की मौत हो गई। इसके बाद ऐतिहातन सभी स्ट्रीट लाइटों के बिजली कनेक्शन काट दिए गए थे। इसके बाद बीते साल अक्टूबर में दिवाली के समय कुछ जगहों पर स्ट्रीट लाइन पोल के बिजली कनेक्शन ठीक करकर लाइटें जलाई गईं। मौजूदा समय में सरवनखेड़ा मार्ग और रनियां बाजार मार्ग की करीब 200 स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हैं। इन मार्गों से होकर निकलने वाले बाइक, साइकिल सवार और पैदल राहगीरों को रात में अंधेरा होने पर परेशानी होती है। लोगों ने स्ट्रीट लाइटें दुरुस्त कराने की मांग की है। ईओ मनीष राय ने बताया कि कुछ जगहों की लाइटें जल रही है। कुछ लाइटें बिजली निगम कर्मियों के कनेक्शन न जोड़ने की वजह से बंद पड़ी है। जल्द ही इन्हें ठीक करकर मार्ग प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त की जाएगी।

साली की शादी में आए बहनोई ने निगला जहरीला पदार्थ, मौत

कानपुर ,एजेंसी। गजनेर थाना क्षेत्र के हिम्मापुरवा गांव में साली की शादी समारोह में शामिल होने आए बहनोई ने विदा के बाद जहरीला पदार्थ निगल लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन ने उन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया। वहां डॉक्टर ने उनको मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले में छानबीन की है। गजनेर थाना क्षेत्र के मंगली की पुत्री छोटी की शादी रनियां थाना क्षेत्र के किशखल गांव के लालू के साथ हुई है। शनिवार को उसकी बारात आई थी। इसमें शामिल होने के लिए कानपुर नगर के घाटमपुर थाना क्षेत्र के नीबस्ता सब्जी मंडी निवासी उसका बहनोई सुनील कुमार भी शनिवार को पत्नी व बच्चों के साथ हिम्मापुरवा आया था। रविवार सुबह बारात के विदा होने के बाद किसी बात को लेकर सुनील ने जहरीला पदार्थ निगल लिया। हालत बिगड़ने पर पत्नी गुड्डिया, हिम्मापुरवा निवासी अपनी भाभी सोनी पत्नी अरविंद व परिजन के साथ सुनील को मेडिकल कॉलेज ले आए।

कानपुर में सड़क पर गिरा बिजली का खंभा:चालक गंभीर 2 यात्री घायल; ढाई घंटें यातायात बाधित रहा



सुशील ने बताया कि इलाके में कई बिजली के खंभे लंबे समय से जर्जर हालत में हैं। इसकी शिकायत कई बार संबंधित विभाग से की गई, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि रविवार को हुए इस हादसे के बाद भी संबंधित अधिकारियों की आंखें नहीं खुलीं। इससे केस्को की कार्यप्रणाली पर

जर्जर खंभों की पहले भी हो चुकी थी शिकायत : क्षेत्रीय निवासी विनय अवस्थी और

गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

5 घंटे बाद भी नहीं हटया गया खंभा : स्थानीय लोगों के अनुसार, दोपहर 2 बजे खंभा गिरने के बाद केस्को के केवल दो कर्मचारी मौके पर पहुंचे, उन्होंने तस्वीरें लीं और वापस चले गए। शाम तक कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। साढ़े पांच घंटे बीत जाने के बाद भी खंभा सड़क से

सूरत स्थानीय चुनाव: भारी मतदान के बीच पार्टियों के लाभ और हानि की मतगणना शुरू

(छगनलाल मेवाड़ा द्वारा) **सूरत।** राज्य में नगर निगम, जिला पंचायत और तालुका पंचायत जैसे स्थानीय स्वशासन निकायों के चुनाव संपन्न हो चुके हैं। दिन के उजाले में भी, जब मतदाताओं ने अपने मत डाले और लोकतंत्र का उत्सव मनाया, तो समाज के कुछ क्षेत्रों में उच्च मतदान से किसे लाभ होगा और किसे नुकसान होगा? सत्ताधारी दल, आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पार्टी में भी इसका आकलन शुरू हो चुका है। इस तरह, ये स्थानीय स्वशासन चुनाव मूल रूप से बुनियादी जरूरतों पर निर्भर हैं। जल निकासी, पेयजल, सड़कें, गलियाँ, बिजली, शौचालय, अवैध निर्माण आदि जैसे मुद्दों पर विचार करके उनसे निपटना चाहिए। लेकिन मुख्य मुद्दा यह है कि सत्ताधारी दल ने माने इसे नजरअंदाज कर दिया है, इस पर कोई चर्चा नहीं होती, महंगाई पर कोई बात नहीं होती, बेरोजगारी पर कोई बात नहीं होती, फिर भी अपराध क्यों बढ़ रहे हैं? सूरत में पिछले तीस वर्षों से सत्ता में बैठे राष्ट्रीय राष्ट्रीय पार्टी के नेताओं ने कभी इस पर बात नहीं की, न ही वे कभी किसी

(छगनलाल मेवाड़ा द्वारा) **सूरत।** सूरत में भीषण गर्मी और आसमान ढूली महंगाई से जूझ रहे लोग तेल, गैस, दूध और अनाज जैसी आवश्यक वस्तुओं की कमी और बढ़ती कीमतों को लेकर व्यथा कर गुहार लगा रहे हैं। यह समझना मुश्किल है कि नगरपालिका, नगर निगम, तालुका पंचायत और जिला पंचायत जैसे स्वायत्त निकायों के चुनावों में किसका समर्थन किया जा रहा है। क्योंकि अगर इस चुनाव में भाजपा को कड़ी टक्कर का सामना करना पड़े तो इसमें कोई हैरानी की बात नहीं होगी। इसके अलावा, घरेलू सामानों की बढ़ती कीमतों के साथ-साथ सूरत शहर में, खासकर भाजपा के गढ़ माने जाने वाले इलाकों में, चुनाव प्रचार के दौरान सत्ताधारी दल के खिलाफ जिस तरह का विरोध देखने को मिला, उससे भाजपा उम्मीदवारों का तनाव बढ़ गया है, साथ ही भाजपा के वफादार मतदाताओं ने भी अपना समर्थन जारी रखा है। इसलिए, पार्टीदारों के गढ़ माने जाने वाले क्षेत्रों में भी, इन सभी मुद्दों के बावजूद आम आदमी पार्टी की ताकत जनता के बीच स्मरक रूप से दिखाई दे रही है। अब, अगर हम अन्य मुद्दों की बात करें, तो अल्पसंख्यक क्षेत्रों में आशावादी और यूसीसी के खिलाफ पोस्टर लगाकर सत्ताधारी पार्टी का विरोध

करना भी उल्लेखनीय है। इस प्रकार, इस बार भाजपा के लिए चुनाव एक कठिन चुनौती होगी क्योंकि मतदाताओं का गुस्सा भाजपा उम्मीदवारों को शर्मिदा करते हुए पीछे हटने पर मजबूर कर रहा है। इसे देखते हुए, यह निश्चित है कि जनता अब साहस दिखा रही है और सत्ताधारियों से सवाल

पूछकर उन्हें असमंजस में डाल रही है। फिर, अपने वोट बैंक को बचाने के लिए बेशर्मी से शर्म-नुकसान-जुर्माना-भेदभाव की नीति का इस्तेमाल करने वाली सत्ताधारी पार्टी भाजपा बदलाव की हवा में बह जापगी या आंधी-तूफान में अंधा रहेगी, यह तो 28/04/2026 को ही पता चलेगा।

कानपुर,एजेंसी। कितवईनगर के एच ब्लॉक निवासी साहेब आलम (35) की सिर पर धारदार हथियार से हत्या कर शव को घर से 500 मीटर दूर जूही के बारादेवी आरा मशीन के पास सुनसान स्थान पर फेंक दिया। सूचना पर पहुंची जूही पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। कितवईनगर निवासी रेशमा ने बताया कि उनके पति साहेब आलम सब्जी का ठेला लगाते थे। कुछ समय से बीमारी के कारण वह ठेला नहीं लगा रहे थे। शराब का लती होने के कारण उनका आए दिन परिजन ने विवाद होता था। बेटी जोया ने बताया कि शनिवार रात करीब 11 बजे मां से कहासुनी के बाद वह घर से चले गए। देर रात करीब एक बजे तक न आने पर उन लोगों ने खोजबीन शुरू की। सुबह घर से करीब 500 मीटर दूर बारादेवी आरामश्रीन के पास सुनसान स्थान पर पहुंचे तो खून से लथपथ वह जमीन किनारे अंधेरे में पड़े मिले। उन्हें लेकर उर्सला पहुंचे वहां डॉक्टर ने ब्रॉड डेड बताया। परिजन ने नशेबाजी में किसी भारी धारदार हथियार से हत्या किए जाने की बात कही है। आरोप है कि जिस स्थान पर साहेब मिले वहां पर किसी का आना जाना नहीं है। वहां वह किसके बुलाने पर पहुंच गए। जूही इस्पेक्टर केके पटेल ने बताया कि जिस स्थान पर युवक मिला वहां फैक्टरों बंद थी। आसपास लोग सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। पोस्टमॉर्टम करने वाले डॉक्टर ने बताया कि रिपोर्ट में हेड इंजरी आई है। किसी धारदार चीज से सिर पर वार किया गया। अत्यधिक खून बहने और कोमा में जाने से मौत हो गई।

होमगार्ड परीक्षा में आए ऐसे प्रश्न, तलाड़ा गए परीक्षार्थी सवालों को देख एमकॉम पास वालों के भी छूटे पसीन



आगरा, एजेंसी। इंस्टाग्राम पर कौन सी पोस्ट में कई वीडियो और फोटो जोड़कर अच्छी पोस्ट का जा सकती है। स्वराज्य में हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है यह उण्यास किसने लिखा, एसएचओ को पुलिस में क्या कहते हैं ऐसे तमाम सवाल थे जिन्हें परीक्षार्थियों ने पहले पढ़ा था पर ऐन समय में उसका सही उत्तर उन्हें समझ नहीं आ रहा था। परीक्षा देने के बाद परीक्षार्थियों में सवालों को लेकर चर्चा हो रही थी।

उनका कहना था कि इतिहास, राजनीति और सामान्य ज्ञान के सवालों के जवाब देने में पसीने छूट गए। होमगार्ड के कार्य क्षेत्र के अनुसार प्रश्नपत्र काफी कठिन था। शहर के 28 केंद्रों पर तीन दिन में होमगार्ड भर्ती परीक्षा के लिए 75 हजार परीक्षार्थी आ रहे हैं। रविवार को परीक्षा के दूसरे दिन अलीगढ़, मथुरा और आसपास के जिलों से आए परीक्षार्थियों ने दोनों पालियों में परीक्षा दी। परीक्षार्थियों का कहना था कि प्रतिभाग्य परीक्षाओं में आमतौर पर रीजनिंग के सवाल ज्यादा होते हैं।

अब्बास ने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश से पहले बायोमेट्रिक मिलान किया गया। पुलिस फोर्स सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहा। किसी तरह का व्यवधान किसी केंद्र पर नहीं हुआ है।

5 हजार ने छोड़ी परीक्षा: पुलिस भर्ती परीक्षा की हर पाली

पश्चिम रेलवे – रतलाम मंडल	ई-निविदा सूचना
ई-निविदा सूचना	ई-निविदा सूचना
मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार), पश्चिम रेलवे, रतलाम की ओर से ई - निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा संख्या: Snt_RTM_W_26_Tele_04, दिनांक : 24.04.2026. कार्य का नाम: RTM-CNA (195 कि.मी.) तथा UJN-DWX-INDB (79 कि.मी.) खंडों में कुल 274 कि.मी. दूरी पर सॉफ्ट की विद्युत्सीनियता में सुधार हेतु 4 × 48 कोर ऑप्टिकल फाइबर की व्यवस्था के संबंध में दूरसंचार सामग्री की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं कमिशनिंग बाबत कार्य की अनुमानित लागत: रु. 43,12,18,900.18. निविदा प्रपत्र का मूल्य: शून्य। अमानित राशि: रु. 86,24,400/- कार्य पूर्ण करने की अवधि: बारह (12) माह। ई-निविदा दर्स्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि व समय: दिनांक 25.05.2026 समय 15:00 बजे तक। ई-निविदा खोलने की तिथि व समय: दिनांक 25.05.2026 समय 15:30 बजे तक। वैसात: निविदा खुलने की तिनांक से 60 दिन अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.irops.gov.in पर देखा जा सकता है।	ई-निविदा सूचना
हमें लाईक करें: www.facebook.com/WesternRly	हमें लाईक करें: www.facebook.com/WesternRly

कलह, मारपीट और फिर बेटी के जन्मदिन पर पिता ने फंदा लगा दी जान, मचा कोहराम



कानपुर,एजेंसी। सेनपश्चिम पारा क्षेत्र में घरेलू कलह के चलते एक परिवार की खुशियां मातम में बदल गईं। क्षेत्र निवासी बुद्धि प्रकाश (50) ने रविवार शाम फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि बुद्धि प्रकाश जाजमऊ स्थित एक लेंदर फैक्टरी में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत थे। उनकी पत्नी रेखा ने पुलिस को बताया कि पति शराब के आदी थे

और आए दिन घर में विवाद कर मारपीट करते थे। तीन दिन पहले

भी दोनों के बीच झगड़ा हुआ था,

जिसके बाद उन्होंने रेखा को घर

से भगा दिया था। इसके बाद वह

अपने मायके यशोदा नगर चली

गई थीं। रविवार शाम जब घर

पहुंचे परिजनों ने बुद्धि प्रकाश को

फंदे से लटका देखा तो चीख-

पुकार मच गई। सूचना मिलते ही

पुलिस मौके पर पहुंची और

फॉरेंसिक टीम के साथ जांच

पड़ताल शुरू की।

कानपुर,एजेंसी। कौशलपुरी रिहायशी इलाके में रविवार देर रात सड़क किनारे रखे ट्रांसफार्मर में तेज धमाका हो गया। इससे स्पाकिंग के साथ एलटी लाइनें टूटकर कबाड़ी की दुकान और होटल पर गिर गईं। दमकल की दो गाड़ियों ने आग पर एक घंटे में काबू पाया। इस दौरान होटल और दुकान जल गईं। सरोजनीनगर सरिया मंडी निवासी मो. इरफान की कबाड़ की दुकान और पप्पू का होटल ट्रांसफार्मर के बगल में स्थित था।क्षेत्रीय पार्षद अमरिंदर सिंह लवी ने बताया कि रविवार होने के कारण दोनों दुकान और होटल बंद थे। रात करीब 11 बजे ट्रांसफार्मर में तेज धमाका हो गया। एलटी लाइनें टूटकर होटल और दुकान के तिरपाल पर गिरकर जगम और आग लग गई। कुछ ही देर में सामान जलकर नष्ट हो गया। इस दौरान करीब 25 फीट ऊंची लापटें बगल के जंगल में पहुंच गईं। वहां बंधे मवेशियों को खोलकर बचाया

गया। नजीराबाद थाने का फोर्स मौके पहुंचा और भीड़ को घटनास्थल से दूर किया। आग से पीड़ितों का करीब 70-80 हजार का नुकसान हुआ है। मुख्य अग्निमशन अधिकारी दीपक शर्मा ने बताया कि कंत्रोल रूम में सूचना आते ही तत्काल फजलराज फायर स्टेशन से दमकल को रवाना कर दिया गया था।

घटना में एक दुकान और होटल जला है।

किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं है।

आरोप सूचना के 25 मिनट बाद पहुंची पुलिस: क्षेत्रीय निवासी

जीपी अवस्थी, अर्जुन और विशाल को आरोप है कि आग लगते ही

तुरंत डायल 112 को सूचना दी गई लेकिन वह करीब 25 मिनट

बाद पहुंची और इसके बाद कार्रवाई शुरू की। घटना के कारण

कौशलपुरी, सरोजनी नगर सरिया मंडी की बिजली आपूर्ति बाधित

कर दी गई।

रिहायशी इलाके में ट्रांसफार्मर में धमाका, एलटी लाइन टूटकर गिरने से होटल और दुकान जले

कानपुर,एजेंसी। कौशलपुरी रिहायशी इलाके में रविवार देर रात सड़क किनारे रखे ट्रांसफार्मर में तेज धमाका हो गया। इससे स्पाकिंग के साथ एलटी लाइनें टूटकर कबाड़ी की दुकान और होटल पर गिर गईं। दमकल की दो गाड़ियों ने आग पर एक घंटे में काबू पाया। इस दौरान होटल और दुकान जल गईं। सरोजनीनगर सरिया मंडी निवासी मो. इरफान की कबाड़ की दुकान और पप्पू का होटल ट्रांसफार्मर के बगल में स्थित था।क्षेत्रीय पार्षद अमरिंदर सिंह लवी ने बताया कि रविवार होने के कारण दोनों दुकान और होटल बंद थे। रात करीब 11 बजे ट्रांसफार्मर में तेज धमाका हो गया। एलटी लाइनें टूटकर होटल और दुकान के तिरपाल पर गिरकर जगम और आग लग गई। कुछ ही देर में सामान जलकर नष्ट हो गया। इस दौरान करीब 25 फीट ऊंची लापटें बगल के जंगल में पहुंच गईं। वहां बंधे मवेशियों को खोलकर बचाया

गया। नजीराबाद थाने का फोर्स मौके पहुंचा और भीड़ को घटनास्थल से दूर किया। आग से पीड़ितों का करीब 70-80 हजार का नुकसान हुआ है। मुख्य अग्निमशन अधिकारी दीपक शर्मा ने बताया कि कंत्रोल रूम में सूचना आते ही तत्काल फजलराज फायर स्टेशन से दमकल को रवाना कर दिया गया था।

घटना में एक दुकान और होटल जला है।

किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं है।

आरोप सूचना के 25 मिनट बाद पहुंची पुलिस: क्षेत्रीय निवासी

जीपी अवस्थी, अर्जुन और विशाल को आरोप है कि आग लगते ही

तुरंत डायल 112 को सूचना दी गई लेकिन वह करीब 25 मिनट

बाद पहुंची और इसके बाद कार्रवाई शुरू की। घटना के कारण

कौशलपुरी, सरोजनी नगर सरिया मंडी की बिजली आपूर्ति बाधित

कर दी गई।

पश्चिम रेलवे – रतलाम मंडल	ई-निविदा सूचना
ई-निविदा सूचना	ई-निविदा सूचना
मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार), पश्चिम रेलवे, रतलाम की ओर से ई - निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा संख्या: Snt-RTM-26-Tele-07, दिनांक : 24.04.2026. कार्य का नाम: RTM-CNA (195 कि.मी.) तथा UJN-DWX-INDB (79 कि.मी.) खंडों में कुल 274 कि.मी. दूरी पर सॉफ्ट की विद्युत्सीनियता में सुधार हेतु 4 × 48 कोर ऑप्टिकल फाइबर की व्यवस्था के संबंध में दूरसंचार सामग्री (OFC) आधारित दूरसंचार अवसंरचना) की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं कमिशनिंग बाबत कार्य की अनुमानित लागत: रु. 4,04,43,206.34. निविदा प्रपत्र का मूल्य: शून्य। अमानित राशि: रु. 8,08,900/- कार्य पूर्ण करने की अवधि: नौ (09) माह। ई-निविदा दर्स्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि व समय: दिनांक 28.05.2026 समय 15:00 बजे तक। ई-निविदा खोलने की तिथि व समय: दिनांक 28.05.2026 समय 15:30 बजे तक। वैसात: निविदा खुलने की तिनांक से 60 दिन अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.irops.gov.in पर देखा जा सकता है।	ई-निविदा सूचना
हमें लाईक करें: www.facebook.com/WesternRly	हमें लाईक करें: www.facebook.com/WesternRly

रोहिणी के वेंकटेश्वर ग्लोबल स्कूल में गंभीर अनियमित दो दिन के औचक निरीक्षण में खुली पोल

बाहरी दिल्ली एजेंसी। वेंकटेश्वर ग्लोबल स्कूल में राज्य शिक्षा विभाग और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने लगातार दो दिन आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गंभीर प्रशासनिक, वित्तीय और सुरक्षा संबंधी अनियमितताएं सामने आई हैं। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि स्कूल बिना वैध फायर सेपटी सर्टिफिकेट के संचालित हो रहा था। बार-बार निरीक्षण के बावजूद आवश्यक सुरक्षा मानकों की कमी के कारण फायर विभाग द्वारा प्रमाण-पत्र जारी नहीं किया गया। स्कूल में संचालित स्विमिंग पूल

भी बिना लाइसेंस के चल रहा था और उसमें बुनियादी सुरक्षा प्रविधानों का अभाव पाया गया। न तो गहराई का स्पष्ट संकेत था और न ही कार्यशील ऑक्सीजन सिलिंडर उपलब्ध पाया गया। छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पूल को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया है। सरकार की ओर से बताया गया है कि सभी प्राइवेट स्कूलों की जांच की जा रही है और गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर उन्हें टेकओवर कर लिया जाएगा।

बेसमेंट में लगभग 18 कमरों में स्टेम लैब : टीम में शामिल वरिष्ठ



अधिकारियों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों से इस स्कूल के खिलाफ अभिभावकों को प्रताड़ित करने और दाखिले के नाम पर अवैध डोनेशन वसूली की लगातार शिकायतें मिल रही थीं, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई। निरीक्षण टीम ने यह भी पाया कि स्कूल के बेसमेंट में लगभग 18 कमरों में स्टेम लैब (साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और गणित),

रोबोटिक्स, वेस्टर्न म्यूजिक और डांस कक्षाएं संचालित की जा रही थीं, जो एमसीडी भवन मानकों, सीबीएसई और शिक्षा विभाग के दिशा-निर्देशों का स्पष्ट उल्लंघन है क्योंकि छात्रों की गतिविधियों के लिए बेसमेंट का उपयोग प्रतिबंधित है। छात्रों ने पीने के पानी की खराब गुणवत्ता और भूगतान आधारित भोजन व्यवस्था को लेकर भी शिकायतें दर्ज कराईं। यह भोजन

स्कूल की छत पर बने अस्थायी ढांचे में तैयार किया जा रहा था, जो पास में लगे सोलर पैनलों के कारण गंभीर अग्नि जोखिम उत्पन्न कर रहा था।

टीम की जांच में रसायन विज्ञान प्रयोगशाला में एसिड खुले में रखा पाया गया और कई एक्सपायर्ड केमिकल्स भी मौजूद थे, जो सुरक्षा मानकों का उल्लंघन है। निरीक्षण के दौरान कई छात्रों ने बताया कि उनके अभिभावकों से दाखिले के लिए भारी-भरकम डोनेशन लिया गया। जब छात्र इन अनियमितताओं की जानकारी दे रहे थे, तब स्कूल प्रबंधन ने निरीक्षण टीम और छात्रों के बीच सीधे संवाद को बाधित करने का प्रयास किया। अधिकारियों के अनुसार स्कूल द्वारा वित्तीय अनियमितताओं को छिपाने के लिए खातों में हेरफेर किए जाने की भी आशंका है, जिसमें नियमित फीस को विभिन्न गतिविधियों के नाम पर लाभ के रूप में दिखाया जा रहा है, जबकि डोनेशन की राशि अलग से नकद में ली जा रही है।

अंगदान से लौटी जिंदगी: दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में महिला का सफल हैंड ट्रांसप्लांट, 12 घंटे तक चली सर्जरी

नई दिल्ली, एजेंसी। चारा काटने वाली मशीन से हुए एक दर्दनाक हादसे में अपने दोनों हाथ गंवाने के बाद एक युवा महिला का जीवन पूरी तरह बदल गया था। वह रोजमर्रा के छोटे-छोटे कामों के लिए पूरी तरह दूसरों पर निर्भर हो गई थी, जिससे उसकी स्वतंत्रता और आत्मसम्मान पर गहरा असर पड़ा। लंबे संघर्ष के बाद उसके जीवन में नई उम्मीद तब जगी, जब उसे हाथ प्रत्यारोपण का विकल्प मिला। राजधानी के सर गंगा राम अस्पताल में ब्रेन-डेड डोनर के परिजनों की सहमति से ऊपरी अंग दान के बाद यह जटिल सर्जरी संभव हो सकी। करीब 12 घंटे तक चली इस अत्यंत जटिल प्रक्रिया में दोनों हाथों का सफल प्रत्यारोपण किया गया। इसमें दाहिना हाथ सुप्राकॉन्डिलर स्तर पर तराया गया हाथ डिस्टल फोरआर्म स्तर पर सफलतापूर्वक जोड़ा गया।

डॉक्टरों ने इस दौरान नसों,



मांसपेशियों, हड्डियों और रक्त वाहिकाओं को अत्यंत सूक्ष्म तकनीक से पुनः जोड़ा। अस्पताल में शामिल विशेषज्ञ टीम में डा. महेश मंगल, डा. अनुभव गुप्ता, डा. भीम नंदा और डा. निखिल झुनझुनवाला शामिल रहे।

सबसे जटिल प्रक्रियाओं में से एक : डा. महेश मंगल ने कहा कि यह द्विपक्षीय हाथ प्रत्यारोपण पुनर्निर्माण माइक्रोसर्जरी की सबसे जटिल प्रक्रियाओं में से एक है, जो गंभीर रूप से अंग-विहीन मरीजों

को नया जीवन देने की क्षमता रखती है। डा. अनुभव गुप्ता के अनुसार यह केवल सर्जरी नहीं, बल्कि अत्यंत सटीक और समय निर्धारित प्रक्रिया थी, जिसका उद्देश्य मरीज को गरिमा और कार्यक्षमता वापस दिलाना है। डा. भीम नंदा ने बताया कि लंबे समय तक इस्कीमिया के दौरान ऊतकों की जीवंतता बनाए रखना और रक्त प्रवाह बहाल करने से पहले स्थिर फिक्सेशन इस सर्जरी को सबसे चुनौतीपूर्ण चरण थे।

गाजियाबाद के लोनी में फाल्ट से 30 घंटे गुल रही, 20 कॉलोनियों के लोगों ने झोली परेशानी

लोनी, एजेंसी। भीषण गर्मी में लोनी की 20 से अधिक कॉलोनियों ने 30 से 35 घंटे बिजली गुल रही। इससे लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ गई। लोगों का आरोप है कि काल करने पर अधिकारियों के नंबर बंद मिले। विद्युत निगम के अधिकारियों ने बताया कि 33 केवी की अंडरग्राउंड लाइन में फाल्ट से समस्या रही लेकिन अन्य बिजलीघरों से आपूर्ति को सुचारू रखा गया। शनिवार की रात लोनी के इंडापुरी ए, बी, सी ब्लॉक, लालबाग, राजीव गार्डन, बलरामनगर, विकास कुंज, डीएलएफ, अंकुर विहार, नरसंबई कॉलोनी, इकरामनगर, संगम विहार नाईपूर, नंदी गार्डन, परमहंस विहार, लक्ष्मी गार्डन, जवाहरनगर, बलरामनगर, केशवनगर, जवाहरनगर पूर्वी, इंद्रा इक्लेव, सरस्वती विहार, सुनीता विहार,



सरल कुंज, प्रकाश विहार, आनंद विहार, बौनानगर, पूष्पांजलि विहार समेत अन्य कॉलोनियों में बिजली आपूर्ति ठप रही। शनिवार अल सुबह से लेकर रविवार शाम छह बजे तक दूसरे बिजलीघरों से 10 से 15 मिनट के लिए आपूर्ति दी गई। सरस्वती विहार के देवेन्द्र, रजनीश, टोट्ट सुरेश,विपिन, नरेंद्र,दुर्गाश आदि का कहना है कि गर्मी बढ़ने के साथ ही दिन प्रतिदिन बिजली व्यवस्था गड़बड़ाती जा रही है। विद्युत निगम के अधिशासी अभियंता मनोज कुमार का कहना है जिसे सही करकर सप्लाई बहाल करा दी गई है।

पढ़ाई के वक्त बच्चे के साथ सख्ती न बरतें: एक्सपर्ट

नई दिल्ली , एजेंसी। छोटे बच्चों को पढ़ाते समय धैर्य और समझदारी से काम लेना होता है, क्योंकि बच्चे अपनी भावनाओं को पूरी तरह से व्यक्त नहीं कर पाते। कई बार ऐसा होता है कि बच्चे आचानक ही बहुत चिड़चिड़े हो जाते हैं, पढ़ाई के नाम पर सुस्त पड़ जाते हैं। एक्सपर्ट की माने तो इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, लेकिन सबसे बड़ा और अनदेखा कारण अक्सर पढ़ाई का अत्यधिक दबाव महसूस करना होता है। जब बच्चे अपनी भावनाओं को ठीक से बर्‍या नहीं कर पाते, तो उनके व्यवहार में परिवर्तन देखने को मिलता है। वे पढ़ते समय चिड़चिड़े हो जाते हैं, बहुत ज्यादा गुस्सा करने लगते हैं, या बार-बार थका हुआ महसूस करते हैं। बहुत से माता-पिता इसे बच्चों का आलस मान लेते हैं, लेकिन यह अक्सर आलस नहीं, बल्कि पढ़ाई के अत्यधिक दबाव का परिणाम होता है। इस दबाव के पीछे कई कारण हो सकते हैं: माता-पिता की



बहुत ज्यादा उम्मीदें जो बच्चे की क्षमता से अधिक हों, बार-बार बच्चे की तुलना दूसरे बच्चों से करना जिससे उसमें हीन भावना आती है, बिना ब्रेक लिए लगातार पढ़ाई करवाना जिससे दिमाग थक जाता है, या छोटी सी गलती पर बच्चे को ज्यादा डांट पड़ना जिससे उसका आत्मविश्वास टूटता है। ऐसे में बच्चा पढ़ाई से भागता नहीं है, बल्कि पढ़ाई के नाम से डरने लगता है, जो उसके सीखने की प्रक्रिया पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। अब सवाल यह है कि ऐसे में माता-पिता

बच्चे को कैसे समझें और उसकी मदद कैसे करें। इसके लिए माता-पिता को कुछ महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना होगा। सबसे पहले, बच्चे के साथ ज्यादा से ज्यादा गुणवत्तापूर्ण समय बिताएं। बच्चे से खुलकर बात करें और यह जानने की कोशिश करें कि उसके मन में क्या चल रहा है और वह किस चीज से परेशान है। एक सुरक्षित और खुला माहौल बनाना आवश्यक है जहां बच्चा अपनी चिंताओं को साझा करने में सहज महसूस करे। दूसरा, पढ़ाई के वक्त बच्चे के साथ



और टॉक्सिन (विषाक्त पदार्थों) के बढ़ने का स्पष्ट संकेत है। शरीर में पित्त की अधिकता होने से आंतरिक गर्मी और जलन बढ़ती है, जिसका सीधा प्रभाव हमारी आँखों पर पड़ता है, जिससे वे लाल, थकी हुई और संवेदनशील महसूस होती हैं। इसके साथ ही, देर रात तक स्क्रीन देखना, मोबाइल का अत्यधिक उपयोग करना, नींद पूरी न होना, और लिवर पर अधिक दबाव महसूस होना भी इन समस्याओं के पीछे के मुख्य कारण हो सकते हैं, जो पित्त को और बढ़ाते हैं। आयुर्वेद के गहन सिद्धांतों के अनुसार, आँखें शरीर के पित्त से जुड़ी हैं, और

पित्त शरीर के रक्त से जुड़ा है, जबकि रक्त पाचन और लिवर से संबंधित है। यह एक जटिल चक्र है: लिवर पर पड़ने वाला दबाव पाचन को प्रभावित करता है, बिगाड़ा हुआ पाचन रक्त को प्रभावित करता है, और रक्त में असंतुलन पित्त को प्रभावित करता है। कुल मिलाकर, ये सभी चीजें मिलकर शरीर में एक दूसरे पर काम करती हैं, और इसका समग्र प्रभाव हमारी आँखों पर देखने को मिलता है। इसलिए, आँखों की समस्या को केवल एक स्थानीय परेशानी के रूप में नहीं, बल्कि शरीर के आंतरिक संतुलन के एक संकेतक के रूप में देखना चाहिए। अब सवाल यह है कि इस समस्या से आराम पाने, क्योंकि आँखों की देखभाल के लिए क्या उपाय किए जाएं। इसके लिए कुछ सरल और प्रभावी आयुर्वेदिक तरल जीवनशैली संबंधी बदलाव आवश्यक हैं।

सबसे पहले, रात को हल्का

भोजन करें ताकि पाचन तंत्र पर अनावश्यक दबाव न पड़े। सुबह उठते ही ठंडे पानी से अपनी आँखों को धीरे-धीरे धोएं, जिससे आँखों को ताजगी और ठंडक मिलती है। दिन में दो बार त्रिफला जल से आँखों को साफ करना भी अत्यंत फायदेमंद है, क्योंकि त्रिफला आँखों के लिए एक उत्कृष्ट टॉनिक है। ठंडी खीरा या ककड़ी की स्लाइस को आँखों पर रखने से उन्हें तुरंत आराम मिलता है और जलन कम होती है। सबसे महत्वपूर्ण है स्क्रीन टाइम को कम करना और आँखों को नियमित अंतराल पर आराम देना। इसके साथ ही, अपने आहार में विटामिन ए, सी और ई से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करें, क्योंकि ये विटामिन आँखों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। आंवला, अनार, गाजर, शकरकंद, कद्दू, पपीता, दूध और अंडे जैसे आहार को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।

बहादुराबाद के खेत में मिला युवक का शव, सिर पर चोट के निशान

हरिद्वार, एजेंसी। बहादुराबाद थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब अंतमलापुर बौंगला बाईपास के पास एक खेत में अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ। युवक का लहलुहान शव मिलने से इलाके में दहशत का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, सुबह के समय जब ग्रामीण रोजाना की तरह खेतों में काम करने पहुंचे, तो एक पॉपुलर के खेत में शव पड़ा दिखाई दिया। शव देखते ही ग्रामीणों के होश उड़ गए और मौके पर भीड़ जमा हो गई। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही उत्तराखंड पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। घटनास्थल के आसपास शराब और पानी की बोतलें भी मिली हैं। मृतक के सिर पर गंभीर चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे प्रथम दृष्टया हत्या की आशंका जताई जा रही है। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। मृतक की उम्र करीब 40 वर्ष बताई जा रही है, लेकिन अभी तक उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने मौके पर मौजूद लोगों से पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। मृतक की जेब से एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है, जिसके आधार पर पहचान की कोशिश की जा रही है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और स्थानीय लोगों से पूछताछ कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है ।

कांथी में ऑटो और ट्रैक्टर की टक्कर, दो की मौत

कांथी, एजेंसी। पूर्व मेदिनीपुर जिले में कांथी-दीघा 116बी राष्ट्रीय राजमार्ग पर घातुआ बांध के कांथी थाना क्षेत्र में रविवार शाम भीषण सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, कांथी के घाटुआ इलाके में कांथी की ओर से आ रहे एक ऑटो की सामने से आ रहे मिट्टी लदे ट्रैक्टर से आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि एक महिला को मौके पर ही मौत हो गई। बाद में घायलों में से एक अन्य व्यक्ति ने भी दम तोड़ दिया। इस दुर्घटना में कुल तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत कांथी सबडिविजनल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात सामान्य किया। मृतकों की पहचान बसंती डुलाई (34), निवासी केशवपुर, और मंजु कर (35), निवासी देऊली बंगला के रूप में हुई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है कि दुर्घटना कैसे हुई। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस सड़क पर अक्सर तेज रफ्तार में वाहन चलने के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है।



कालबैशाखी तूफान में पेड़ के नीचे खड़े दो लोगों की मौत, तीन घायल

मुरशिदाबाद, एजेंसी। जिले के खरग्राम इलाके में कालबैशाखी तूफान के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान शरणन दास (40) जो कान्दी के कल्याणपुर गांव के निवासी थे और सावित्री घोष (60) के रूप में हुई है। जो खड़ग्राम थाना क्षेत्र के बराड़ गांव की निवासी थी। मिली जानकारी के अनुसार, रविवार शाम अचानक तेज हवा और बारिश शुरू होने पर पांच लोग गांव की सड़क के पास एक बरगद के पेड़ के नीचे खड़े हो गए। इसी दौरान पेड़ पर बिजली गिर गई। घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए। घायलों को तुरंत कान्दी महकमा अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने दो लोगों को मृत घोषित कर दिया। बाकी तीन घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुटी है।



सिलीगुड़ी, एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से पहले चुनाव आयोग के निर्देश पर राज्य में 26 अप्रैल से 29 अप्रैल तक शराब की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध है। इस बीच प्रतिबंध का फायदा उठाकर कालाबाजारी की कोशिशों का मामला सामने आया है। सिलीगुड़ी के प्रधान नगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक घर से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की है। जानकारी के अनुसार, धर्मनगर इलाके के एक नंबर वार्ड स्थित घर में शराब जमा कर रखा गया था, जिसे प्रतिबंध के दौरान ऊंचे दामों पर बेचने की योजना थी। गत रात घर नष्ट होने की पुलिस टीम ने सादे कपड़ों में छापेमारी कर करीब तीन लाख रुपये मूल्य की विदेशी शराब जब्त की। इस कार्रवाई में आयुष कहाू नामक युवक को गिरफ्तार किया गया है, जो धर्मनगर का निवासी बताया गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और उसे आज सिलीगुड़ी अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है। चुनाव के मद्देनजर प्रशासन अवैध गतिविधियों पर कड़ी नजर बनाए हुए है और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जा रही है।

भारी मात्रा में ब्राउन शुगर के साथ महिला समेत दो गिरफ्तार

सिलीगुड़ी, 27 अप्रैल (हि. स.) । सिलीगुड़ी में मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) और माटीगाड़ा थाना की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए एक महिला समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान बानू बेगम (30) और मो. इद्रिज अली (36) है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर बीती रात परिवहन नगर इलाके में संयुक्त अभियान चलाया गया। इस दौरान एक सख्ति महिला और पुरुष को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उनके पास से 401 ग्राम ब्राउन शुगर और दस हजार रुपये नकद बरामद किए गए। पुलिस ने उनके पास से तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए। दोनों आरोपितों के खिलाफ एनडीपीएफ एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस दोनों आरोपित को सिलीगुड़ी महकमा अदालत में पेश कर रिमांड की मांग करेगी। पुलिस अब इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुट गई है।

मजलिस पार्क मेट्रो के पास दर्दनाक हादसा, बाइक सवार दो युवकों की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। बाहरी उत्तरी जिले के भलस्वा डेयरी थाना क्षेत्र में रविवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। हादसा वजीराबाद की ओर जाने वाले लूप रोड पर मजलिस पार्क मेट्रो स्टेशन के पास हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक राहगीर दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचा चुके थे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक, रविवार रात करीब नौ बजे सूचना मिली कि रिंग रोड से वजीराबाद जाने वाले लूप रोड पर एक सफेद रंग की मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हालत में पड़ी है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम को नाले के पास बाइक लावारिस हालत में मिली। जांच के दौरान पता चला कि बाइक पर सवार दो युवकों को गंभीर हालत में राहगीर बाबू जागजीवन राम अस्पताल ले गए थे। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान सफ अली (20) निवासी संगम विहार, बुराड़ी और शाहिद निवासी ई-1789, जेजे कॉलोनी, बवाना के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए बीजेआरएम अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई या किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से हादसा हुआ, हालांकि प्रत्यक्षदर्शी सामने नहीं आने के कारण दुर्घटना की सटीक वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। भलस्वा डेयरी थाना पुलिस ने दार्जौल न्याय संहिता की धारा 281 और 106(1) के तहत मामला भारतीय चोर किया है। मामले की आगे की जांच आउटर नॉर्थ जिला की एमएसीटी सेल को सौंप दी गई है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि हादसे के कारणों का पता लगाया जा सके।